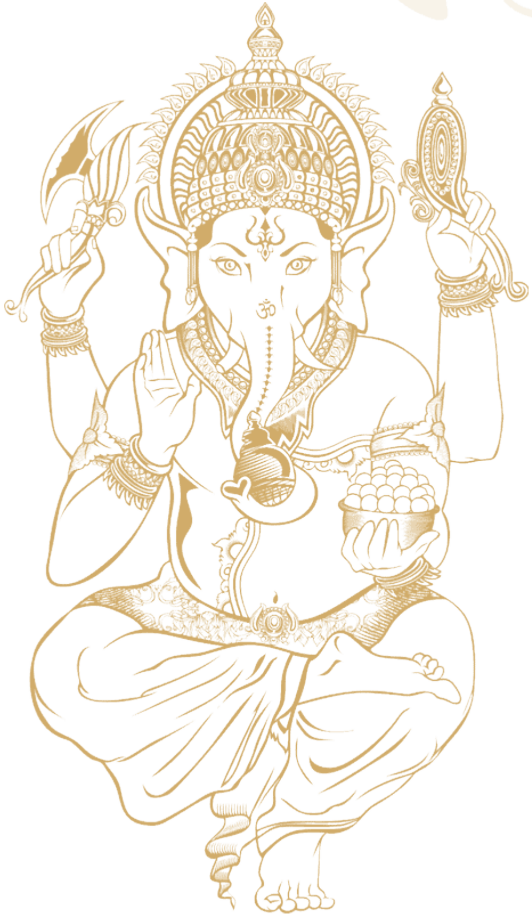

Manish Paliwal

26 Dec 1980

04:17 AM

Tundla

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 120875702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25-26/12/1980**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**04:17:22 घंटे**
इष्ट	53:02:02 घटी
स्थान	**Tundla**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:13:00 उत्तर
रेखांश	78:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:00:18 घंटे
वेलान्तर	-00:00:08 घंटे
साम्पातिक काल	10:18:41 घंटे
सूर्योदय	07:04:33 घंटे
सूर्यास्त	17:29:58 घंटे
दिनमान	10:25:26 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	10:44:03 धनु
लग्न के अंश	02:57:42 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	प्रीति
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मी-मीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	02:57:42	309:09:22	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			धनु	10:44:03	01:01:07	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	03:22:15	12:44:32	मघा	2	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मित्र राशि
मंगल			मक	02:30:28	00:46:53	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
बुध		अ	धनु	07:35:49	01:34:48	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
गुरु			कन्या	15:25:40	00:05:22	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	15:59:40	01:14:53	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	सम राशि
शनि			कन्या	15:41:28	00:02:31	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	मित्र राशि
राहु			कर्क	17:47:19	00:01:28	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु			मक	17:47:19	00:01:28	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	04:30:41	00:03:11	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
नेप			वृश्चि	29:14:30	00:02:14	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
प्लूटो			तुला	00:27:34	00:01:07	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
दशम भाव			सिंह	09:07:18	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:35:17

लग्न-चलित

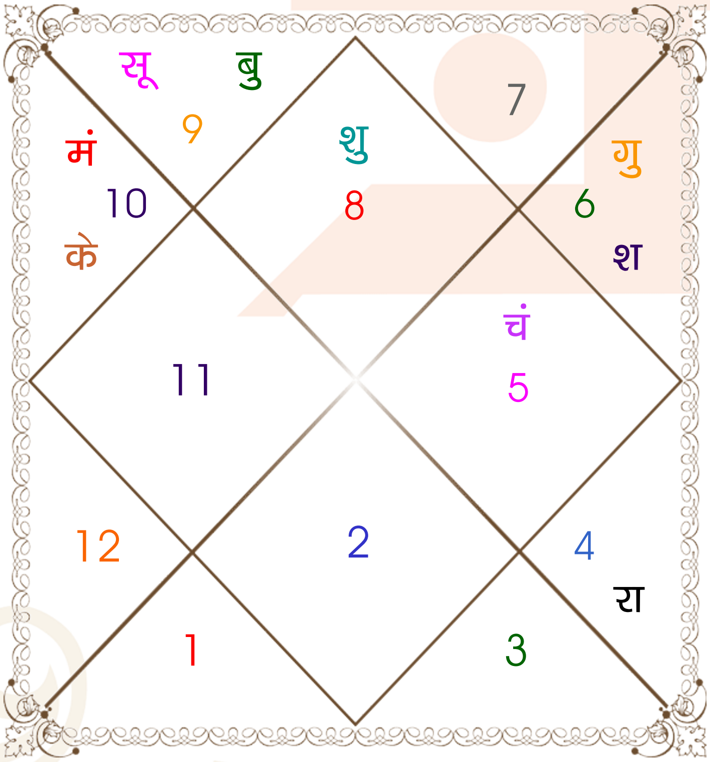

चन्द्र कुंडली

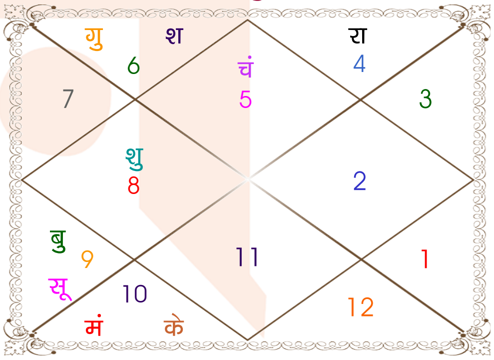

नवमांश कुंडली

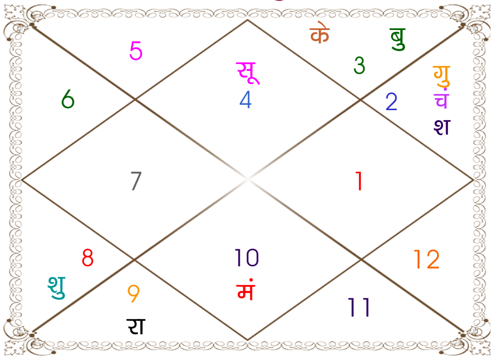

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 2 मास 23 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
26/12/1980	**20/03/1986**	**20/03/2006**	**20/03/2012**	**20/03/2022**
20/03/1986	**20/03/2006**	**20/03/2012**	**20/03/2022**	**20/03/2029**
00/00/0000	शुक्र 20/07/1989	सूर्य 08/07/2006	चंद्र 18/01/2013	मंगल 16/08/2022
26/12/1980	सूर्य 20/07/1990	चंद्र 06/01/2007	मंगल 19/08/2013	राहु 04/09/2023
सूर्य 20/02/1981	चंद्र 20/03/1992	मंगल 14/05/2007	राहु 18/02/2015	गुरु 10/08/2024
चंद्र 21/09/1981	मंगल 20/05/1993	राहु 07/04/2008	गुरु 19/06/2016	शनि 18/09/2025
मंगल 18/02/1982	राहु 19/05/1996	गुरु 24/01/2009	शनि 18/01/2018	बुध 16/09/2026
राहु 08/03/1983	गुरु 18/01/1999	शनि 06/01/2010	बुध 20/06/2019	केतु 12/02/2027
गुरु 12/02/1984	शनि 20/03/2002	बुध 12/11/2010	केतु 19/01/2020	शुक्र 13/04/2028
शनि 23/03/1985	बुध 18/01/2005	केतु 20/03/2011	शुक्र 18/09/2021	सूर्य 19/08/2028
बुध 20/03/1986	केतु 20/03/2006	शुक्र 20/03/2012	सूर्य 20/03/2022	चंद्र 20/03/2029

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
20/03/2029	**20/03/2047**	**20/03/2063**	**20/03/2082**	**20/03/2099**
20/03/2047	**20/03/2063**	**20/03/2082**	**20/03/2099**	**00/00/0000**
राहु 01/12/2031	गुरु 07/05/2049	शनि 23/03/2066	बुध 16/08/2084	केतु 16/08/2099
गुरु 26/04/2034	शनि 19/11/2051	बुध 30/11/2068	केतु 13/08/2085	शुक्र 17/10/2100
शनि 02/03/2037	बुध 24/02/2054	केतु 09/01/2070	शुक्र 13/06/2088	सूर्य 27/12/2100
बुध 19/09/2039	केतु 31/01/2055	शुक्र 11/03/2073	सूर्य 19/04/2089	00/00/0000
केतु 06/10/2040	शुक्र 01/10/2057	सूर्य 21/02/2074	चंद्र 19/09/2090	00/00/0000
शुक्र 07/10/2043	सूर्य 20/07/2058	चंद्र 22/09/2075	मंगल 16/09/2091	00/00/0000
सूर्य 31/08/2044	चंद्र 19/11/2059	मंगल 31/10/2076	राहु 04/04/2094	00/00/0000
चंद्र 02/03/2046	मंगल 25/10/2060	राहु 07/09/2079	गुरु 10/07/2096	00/00/0000
मंगल 20/03/2047	राहु 20/03/2063	गुरु 20/03/2082	शनि 20/03/2099	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 2 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।